# Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

## (Accredited A++ by NAAC)

### University in News on 21 April 2024

**Dainik Jagran Page - 02**

## गोवि के टापरों में चमक रहे कालेजों के विद्यार्थी

### बीते दीक्षा समारोह के मुकाबले दोगुणा हुई भागीदारी, 57 टापरों में से 21 कालेजों के

प्र. सहकर्मी संवाददाता • जागरण

**गोरखपुर :** पूर्वांचल में उच्च शिक्षा का स्तर वर्ष दर वर्ष सुधर रहा है। बीते कुछ वर्षों में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के टापरों की सूची बढ़ी कालेजों की भागीदारी इसका प्रमाण है। अंतिम चार सैंद्धिक सत्र के स्वर्ण पदक के आंकड़े बताते हैं कि अब इस पर केवल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का ही अधिकार नहीं रहा, कालेजों का भी प्रभावी हस्तक्षेप हो गया है। बीते चार सत्रों के टापरों में कालेजों के विद्यार्थियों का प्रतिभाग करीब 22 प्रतिशत बढ़ गया है। बीते दो सत्र में कालेजों के टापरों की भागीदारी का प्रतिशत तो दोगुणा बढ़ गया है।

पिछले वर्ष सितंबर में विश्वविद्यालय का 42वां दीक्षा समारोह आयोजित हुआ पर उसमें परस्नातक का परिणाम घोषित न हो पाने के चलते केवल स्नातक टापरों की भागीदारी ही सुनिश्चित हो सकी। चूंकि अब वर्षों परस्नातक परिणाम घोषित किए जा चुके हैं, इसलिए विश्वविद्यालय ने अगले दीक्षा समारोह से पहले एक मई को स्थापना दिवस के अवसर पर बीते वर्ष के परास्नातक टापरों को स्वर्ण पदक देने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के परास्नातक टापरों की सूची भी जारी की गई है, जिसे मिलाकर 42वें दीक्षा समारोह के टापरों की सूची पूरी हो जा रही है। टापरों की यह संख्या 57 हो रही, जिसमें से 21 टापर कालेजों के हैं। इस हिसाब से कुल टापरों में कालेजों की भागीदारी 36.84 गई है। बीते सत्र यानी 41वें दीक्षा समारोह में यह 18.75 प्रतिशत थी। इससे साफ है कि वर्ष-दर-वर्ष टापरों की सूची में कालेजों का प्रदर्शन सुधरा है। गौर करने वाली बात यह भी है कि स्वर्ण पदक पाने वालों की सूची में केवल गोरखपुर ही नहीं, बल्कि देवरिया व कुशीनगर के कालेजों के विद्यार्थी भी शामिल हैं। कई विद्यार्थी तो ग्रामीण क्षेत्रों कालेजों के रहे हैं।

**21 में 14 टापर छात्राएं**

बीते सत्र यानी 42वें दीक्षा समारोह के दायरे में आने वाले टापरों की सूची में गौर करने की एक बात यह भी है कि इसमें 21 टापर कालेजों के हैं, इनमें 14 छात्राएं हैं। प्रतिशत में लड़कियों की भागीदारी करीब 67 प्रतिशत है।

**सेंट जोसेफ, द्रोपदी देवी व अमित कालेज ने दिए दो-दो टापर**

पदकों की सूची में सेंट जोसेफ कालेज आफ तुमैन्स, द्रोपदी देवी डिग्रीयल कालेज और अमित कालेज कुशीनगर ने दो-दो टापरों के साथ मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। खास संयोग ही है कि इन कालेजों के सभी छह टापर छात्राएं हैं।

**बीते चार सत्रों में ऐसे बढ़ी कालेजों की भागीदारी**

| दीक्षा समारोह | कुल टापर | कालेजके टापर | भागीदारी प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 39वां | 54 | 8 | 15.00 प्रतिशत |
| 40वां | 46 | 8 | 17.39 प्रतिशत |
| 41वां | 48 | 9 | 18.75 प्रतिशत |
| 42वां | 57 | 21 | 36.84 प्रतिशत |



विश्वविद्यालय के स्वर्ण पदकों में कालेज के विद्यार्थियों की बढ़ती भागीदारी उच्च शिक्षा में गुणवत्ता के विकास का अच्छा संकेत है। इससे नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मकसद भी पूरा होता दिख रहा है। कालेजों को बढ़ावा देने के लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कई और योजनाएं बनाई गई हैं।

**प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय**

**42वें दीक्षा समारोह में गोवि से संबद्ध कालेजों के टापर**

| विषय | नाम | महाविद्यालय |
|---|---|---|
| अंग्रेजी | श्रद्धा त्रिपाठी | सेंट जौसफ कालेज आफ तुमैंस, गोरखपुर |
| बीएड | नेहा सिंह | सेंट जौसफ कालेज आफ तुमैंस, गोरखपुर |
| समाजशास्त्र | पिंटू गुप्ता | बापू पीजी कालेज पीपीगंज |
| राजनीति विज्ञान | रीतिका मिश्रा | सर्वोदय किसान महाविद्यालय दौहरीराम |
| हिंदी | अनिता विश्वकर्मा | बहादुर यादव कालेज, भटनी देवरिया |
| उर्दू | तौफीर अहमद | श्रीमुरलीधर भगवतकवल कालेज, कुशीनगर |
| शिक्षा शास्त्र | अनामिका शुक्ला | द्रोपदी देवी डिग्यिल कालेज, गोरखपुर |
| शिक्षा शास्त्र | कुमारी पूजा कुमारी | द्रोपदी देवी डिग्यिल कालेज, गोरखपुर |
| गृह विज्ञान | नीलम मद्धेशिया | श्रीमुरलीधर भगवतकवल कालेज, कुशीनगर |
| गृह विज्ञान | शिखा त्रिपाठी | अमित कालेज, अमित नगर, कुशीनगर |
| गृह विज्ञान | रीतू गौतम | अमित कालेज, अमित नगर, कुशीनगर |
| दृश्य कला | प्राची श्रीवास्तव | सीआरडी पीजी कालेज, गोरखपुर |
| एमएड | अनुकंपा कमलवंशी | विश्वजयनाथ एस्टर्न कालेज गोरखपुर |
| बीपीएड | आभार्या गुप्ता | नेशनल पीजी कालेज, बक्शलांज |
| बीपीए | गौरव मिश्रा | इस्लामिया कालेज आफ कामर्स, गोरखपुर |
| बीएड | राम सकल विश्वकर्मा | आइटीएम, गोंडा |
| बीए ओनरऱाल | प्रियंका यादव | अंडिलभाय म्हाविद्यालय रानापार, गोरखपुर |
| बीए हिंदी | शुभम | एसआर डिग्री कालेज, बंसपार गोरखपुर |
| बीए/बीएससी गणित | तान्या गुप्त | बाबू हुजाहिरी सिंह कालेज, कुशीनगर |
| बीएससी एजी | विकास कुमार सिंह | बीआरडी पीजी कालेज, देवरिया |
| बीकाम | शैलजा खेतान | अंबित नारायण पीजी कालेज, कुशीनगर |

## सम्यक को सिविल सेवा में मिली 704वीं रैंक

**गोरखपुर :** गोरखपुर विश्वविद्यालय के विधि संकाय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. रामनरेश चौधरी के पौत्र और आइएएस सुनील चौधरी के पुत्र सम्यक चौधरी का चयन सिविल सेवा के लिए हुआ है। सिविल सेवा परीक्षा-2023 में उन्हें 704वीं रैंक मिली है। सम्यक दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स से परास्नातक हैं। उन्होंने सफलता का श्रेय दादा प्रो. रामनरेश चौधरी, पिता सुनील चौधरी, दादी अरुणा और मां सुषमा व अन्य को दिया।

सम्यक कुमार

## दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष बने प्रो. द्वारका नाथ

**गोरखपुर :** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. द्वारका नाथ को विभागाध्यक्ष बनाया है। कुलसचिव प्रो. द्वारका नाथ ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। प्रो. द्वारका नाथ आदेश जारी होने से तीन वर्ष तक या सेवानिवृत्ति की तिथि तक या फिर विवि की ओर से जारी अगले आदेश तक इस पद पर बने रहेंगे। विज्ञप्ति

**Amar Ujala Page - 06**

## किस नए विषय पर करेंगे शोध... दें पांच साल की कार्ययोजना

### गोरखपुर विश्वविद्यालय के सभी विभाग एक, तीन और पांच साल की बताएंगे तैयारी

संवाद न्यूज एजेंसी

**गोरखपुर।** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शिक्षक और विभाग से उनकी पांच साल तक की कार्ययोजना मांगी गई है।

वे आगे किस नए विषय पर शोध करेंगे या उनके अनुसार संबंधित पाठ्यक्रम में और क्या बदलाव हो सकता है, की जानकारी मांगी गई। इसकी रिपोर्ट बनाकर विभागों को 10 मई तक जमा करनी है। उसके बाद आगे की कार्ययोजना तय की जाएगी।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विश्वविद्यालय में शोध को बढ़ावा देने, पाठ्यक्रम में सुधार और नई शिक्षा नीति के तहत जरूरी बदलाव को लेकर विभागों से शॉर्ट टर्म (एक साल), मिड टर्म (तीन साल) और लॉन्ग टर्म (पांच साल) की कार्ययोजना मांगी है। इसके पीछे का मकसद है कि विश्वविद्यालय में शोध का स्तर बढ़े और नए आइडिया आएं।

**पीएम उषा से मिलेगी मदद :** विश्वविद्यालय को पीएम उषा के तहत 100 करोड़ रुपये की ग्रांट को मंजूरी मिली है। इसका सबसे बड़ा उद्देश्य शोध कार्यों को बढ़ावा देना है। विभागों से नए आइडिया और सुझाव के बाद शोध के लिए जरूरी उपकरणों को खरीदा जाएगा।

साथ ही अच्छे विषय पर शोध के लिए उन्हें इस ग्रांट से फंडिंग भी दी जाएगी। सबसे पहले नए आइडिया और सुझाव विभाग शिक्षकों से लेगा।

इसके बाद वे उनकी रिपोर्ट बनाकर विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंपेंगे। वहां पर इनका अध्ययन कर उन्हें मदद दी जाएगी।

**10 मई तक जमा करनी है रिपोर्ट विभागों को**

**विभागों में बनेगा गुणवत्ता आश्वासन सेल**

*विश्वविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) का कार्य गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता संवर्धन गतिविधियों की योजना बनाना, मार्गदर्शन करना और निगरानी करना है। अब इसके लिए विभाग स्तर पर भी सेल बनाया जाएगा। इससे विश्वविद्यालय को तमाम रैंकिंग के लिए डाटा सहेजने में परेशानी नहीं होगी। सभी विभाग अपने स्तर से आईक्यूएसी को डाटा भेजेंगे।*

विभागों से शॉर्ट टर्म, मिर्ड टर्म और लॉन्ग टर्म प्लान मांगे गए हैं। इसमें नए विषय पर शोध, पाठ्यक्रम में सुधार आदि पर सुझाव शामिल हैं। इसे उन्हें 10 मई तक देना है। साथ ही अब विभागों में भी गुणवत्ता आश्वासन सेल का गठन किया जाएगा।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

**Rashtriya Sahara Page - 07**

## प्रो. द्वारकानाथ दर्शन शास्त्र विभाग के अध्यक्ष नियुक्त

**गोरखपुर (एसएनबी)।** प्रो. द्वारकानाथ को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के दर्शनशास्त्र विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कुलपति के आदेश के क्रम में वे तीन वर्ष तक के लिए विभाग के अध्यक्ष बनाए गये हैं। यह जानकारी कुलसचिव ने दी।

## विभागों की कार्ययोजना से तय होगी शैक्षिक नीति

**जासं, गोरखपुर :** नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन में अपनी शैक्षिक नीति में बदलाव को लेकर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने कार्यवाही आगे बढ़ाई है। इसमें शिक्षकों और विभागों की भूमिका सुनिश्चित कराई है। योजना के क्रियान्वयन को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने शिक्षकों व विभागों से शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़ी आगे की कार्ययोजना मांगी है, जिसके आधार पर विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक नीति तय करेगा। कार्ययोजना प्रस्तुत करने के लिए 10 मई तक का समय दिया गया है।

कार्ययोजना तीन तरह की तैयार करनी है। शार्ट टर्म, मिड टर्म और लांग टर्म। शार्ट टर्म में एक वर्ष, मिड टर्म में तीन वर्ष और लांग टर्म में पांच साल की कार्ययोजना देनी है। इसमें यह बताना है कि शोध को बढ़ावा देने को लेकर उनकी क्या योजना है। अध्ययन-अध्यापन की बेहतरी के लिए और क्या बदलाव किए जा सकते हैं। इस योजना से विश्वविद्यालय को उम्मीद है कि विभागों व योग्य शिक्षकों की ओर से शोध और अध्ययन को लेकर नए-नए उपयोगी विचार सामने आएंगे। विभागों और शिक्षकों की ओर से आने वाले सुझावों पर विश्वविद्यालय मंथन करेंगे और बेहतर और उपयोगी पाए जाने पर अपनी शैक्षिक नीति का हिस्सा बनाएगा। पीएम उषा से मिली 100 करोड़ रुपये की धनराशि के इस्तेमाल की योजना बनाने में भी विभागों से मिली कार्ययोजना की मदद विश्वविद्यालय लेगा।

**विभागों में बनेगी गुणवत्ता आश्वासन सेल:** विश्वविद्यालय प्रशासन ने विभाग स्तर पर गुणवत्ता आश्वासन सेल बनाने का निर्णय भी लिया है। यह सेल विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ के मानक पर कार्य करेगी। उसे सहयोग करेगी।

**गोरखपुर विश्वविद्यालय ने शिक्षकों और विभागों से मांगी पांच वर्ष की कार्ययोजना नई शिक्षा नीति के अनुपालन में अपनी शैक्षिक नीति को बदलेगा विश्वविद्यालय**

विभागों और शिक्षकों से आगे के पांच वर्ष की अकादमिक कार्ययोजना मांगी गई है। इसमें उन्हें अपने-अपने विषय में शोध और पाठ्यक्रम में सुधार की योजना बतानी होगी। इसे लेकर सुझाव साझा करना होगा। साथ ही अब विभागों में भी गुणवत्ता आश्वासन सेल के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है।

**प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विवि**

**Hindustan Page - 10**

## पांच साल की कार्ययोजना तैयार करें विभागाध्यक्ष

**गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता।** डीडीयू के विभागों में शैक्षणिक बदलाव होगा। विभागों में एक साल से लेकर पांच साल तक की अलग-अलग योजनाएं तैयार की जाएंगी। इसकी जिम्मेदारी कुलपति ने विभागाध्यक्षों को सौंपी है। कुलपति ने विवि के शिक्षक और विभाग से उनकी आगे पांच साल तक की कार्य योजना मांगी है। उनसे यह मांगा गया है कि वे आगे किस नए विषय पर शोध करेंगे या उनके अनुसार संबंधित पाठ्यक्रम में और क्या बदलाव हो सकता है। रिपोर्ट 10 मई तक जमा करनी है। उसके बाद विश्वविद्यालय स्तर पर उसे देखकर आगे की कार्ययोजना तय की जाएगी।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विश्वविद्यालय में शोध को बढ़ावा देने, पाठ्यक्रम में सुधार और नई शिक्षा नीति के तहत जरूरी बदलाव को लेकर विभागों से शॉर्ट टर्म (एक साल), मिड टर्म (तीन साल) और लांग टर्म (पांच साल) की कार्य योजना मांगी है। इसके पीछे का मकसद है कि विश्वविद्यालय में शोध का स्तर बढ़े और नए आइडिया आएं। जो शिक्षक पाठ्यक्रम को पढ़ता है उसे उसकी खूबी और खामियां दोनों की जानकारी होती है। सुझाव आने के बाद उस पर विचार किया जाएगा।

विभागों से शॉर्ट टर्म, मिर्ड टर्म और लांग टर्म प्लान मांगे गए हैं। इसमें नए विषय पर शोध, पाठ्यक्रम में सुधार आदि पर सुझाव मांगा गया है। इसे उन्हें 10 मई तक देना है। साथ ही अब विभागों में भी गुणवत्ता आश्वासन सेल का गठन किया जाएगा।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

**पीएम उषा से मिलेगी शोध कार्यों को मदद**

डीडीयू को पीएम ऊषा के तहत 100 करोड़ रुपये की ग्रांट को मंजूरी मिली है। इसका सबसे बड़ा उद्देश्य शोध कार्यों को बढ़ावा देना है। विभागों से नए आईडिया और सुझाव के बाद शोध के लिए जरूरी उपकरणों को खरीदा जाएगा। साथ ही अच्छे विषय पर शोध के लिए उन्हें इस ग्रांट से फंडिंग भी दी जाएगी। सबसे पहले नए आईडिया और सुझाव विभाग शिक्षकों से लेंगे। इसके बाद वे उनकी रिपोर्ट बनाकर विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंपेंगे। वहां पर इनका अध्ययन कर उनको मदद दी जाएगी।

## प्रो. द्वारकानाथ बने विभागाध्यक्ष

गोरखपुर। डीडीयू के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. द्वारकानाथ को विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रो. द्वारकानाथ पहले भी विभागाध्यक्ष रहे हैं लेकिन विभाग में कोई अन्य प्रोफेसर या एसोसिएट नहीं होने के कारण अब तक कला संकायाध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय के पास यह जिम्मेदारी थी। विभागीय कार्यों के सुचारु रूप से संचालन के लिए प्रो. द्वारकानाथ को दोबारा यह जिम्मेदारी दी गई है। उनका कार्यकाल तीन वर्ष या अगले आदेश तक के लिए होगा।

**Amar Ujala Select Page - 05**

## किस विषय पर करेंगे शोध...विभाग दें पांच साल की कार्ययोजना

**गोरखपुर।** दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शिक्षक और विभाग से उनकी पांच साल तक की कार्ययोजना मांगी गई है। वे आगे किस नए विषय पर शोध करेंगे या उनके अनुसार संबंधित पाठ्यक्रम में और क्या बदलाव हो सकता है, की जानकारी मांगी गई। इसकी रिपोर्ट बनाकर विभागों को 10 मई तक जमा करनी है। उसके बाद आगे की कार्ययोजना तय की जाएगी।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विश्वविद्यालय में शोध को बढ़ावा देने, पाठ्यक्रम में सुधार और नई शिक्षा नीति के तहत जरूरी बदलाव को लेकर विभागों से शॉर्ट टर्म (एक साल), मिड टर्म (तीन साल) और लॉन्ग टर्म (पांच साल) की कार्ययोजना मांगी है। इसके पीछे का मकसद है कि विश्वविद्यालय में शोध का स्तर बढ़े और नए आइडिया आएं।

> विभागों से शॉर्ट टर्म, मिर्ड टर्म और लॉन्ग टर्म प्लान मांगे गए हैं। इसमें नए विषय पर शोध, पाठ्यक्रम में सुधार आदि पर सुझाव मांगा गया है। इसे उन्हें 10 मई तक देना है। साथ ही अब विभागों में भी गुणवत्ता आश्वासन सेल का गठन किया जाएगा।
> - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

**पीएम उषा से मिलेगी मदद**

विश्वविद्यालय को पीएम उषा के तहत 100 करोड़ रुपये की ग्रांट को मंजूरी मिली है। इसका सबसे बड़ा उद्देश्य शोध कार्यों को बढ़ावा देना है। विभागों से नए आइडिया और सुझाव के बाद शोध के लिए जरूरी उपकरणों को खरीदा जाएगा। साथ ही अच्छे विषय पर शोध के लिए उन्हें इस ग्रांट से फंडिंग भी दी जाएगी। सबसे पहले नए आइडिया और सुझाव विभाग शिक्षकों से लेगा। इसके बाद वे उनकी रिपोर्ट बनाकर विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंपेंगे। वहां पर इनका अध्ययन कर उन्हें मदद दी जाएगी।